S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
01	Free Press	Indore	01.06.2023	7	Metro Mock up to be set up at Smart Park	Negative

MADHYA PRADESH
Pg-07 INDORE | THURSDAY | JUNE 1, 2023 www.freepressjournal.in

Metro mock up to be placed at Smart Park

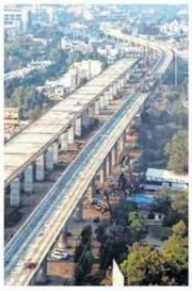

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation has decided mock up or dummy of Metro train at Smart City Park. The metro officials will study the dummy model and will give suggestions to the manufacturing company if required. People will be also able to see the mock up train.

"Metro mock up will reach city in June though the date is yet to be finalised in this regard," said a senior officer associated with Metro Project.

He said manufacturing company Alstom would supply the metro train mock up from Chennai. The mock up will have all the features of Metro coaches and people would be able to see that what kind of facilities they will be get, how train will stop at next station.

WORK EXPEDITED

Work of Bhopal Metro project has been expedited to meet the September deadline when its trial run will be held. At present, Metro officials are working on automatic signals, which will have world's latest technology. In future, Metro Corporation is planning to run driverless train. The construction of metro stations at Board Office and Subash Nagar has been almost completed.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	पीपल्स समाचार	इंदौर	01.06.2023	2	अगस्त मे शुरू होगा भोपाल-इंदौर मेट्रो का ट्रायल रन	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार
इंदौर सिटी Page: 2 June 01, 2023

अगस्त में शुरू होगा भोपाल-इंदौर मेट्रो का ट्रायल रन

दोनों शहरों में 2-2 रेल में 3-3 बोगियों से होगा ट्रायल, नए वर्ष में लोकार्पण की संभावना

पीपुल्स ब्यूरो ● भोपाल
मो.नं. 9827334317

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल का ट्रायल रन अगस्त में शुरू हो जाएगा। शुरुआती दौर में दोनों शहरों में दो-दो ट्रेनें चलेंगीं, जिनमें तीन-तीन बोगियां लगाई जाएंगी। गुजरात से बोगियां लाने का काम भी अगस्त में ही होगा, यहां बोगियों के एसेंबल्ड करने का काम सुभाष नगर डिपो में किया जाएगा। यह जानकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बुधवार

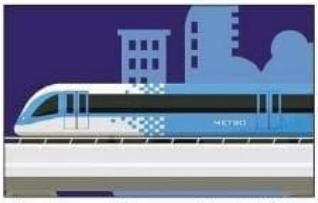

को दी। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल का काम तेजी से चल रहा है, काम पूरा करने की डेट लाइन अगस्त तक की गई है। ट्रायल रन करने में मेट्रो कंपनियों को तीन से चार माह का समय लगेगा।

आम जनता को रेल में सफर करने के लिए मेट्रो द्वारा वर्ष 2024 तक ही खुल पाएंगे। दोनों शहरों में प्राथमिकता कॉरीडोर में ही इसका ट्रायल रन होगा। बताया जाता है भोपाल में सुभाष नगर और एम्स (7 किमी) के बीच में ट्रायल रन तथा इंदौर में गांधी नगर स्टेशन से सुपरकोच-3 के बीच में (5 किमी) चलाई जाएंगी। मेट्रो का काम में तेजी आए, इसके लिए अलग अलग कार्यों के लिए अलग-अलग कंपनी को काम दिया गया है, इन कंपनियों को अगस्त के दूसरे सप्ताह तक काम पूरा करने के लिए कहा गया है।

मेट्रो दो मिनट में तय करेगी एक से दूसरे स्टेशन की दूरी

मेट्रो एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक की दूरी महज दो मिनट में पूरा करेगी। दोनों शहरों में एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन की दूरी डेढ़ से दो किमी रखी गई है। बताया जाता है कि अप-डाउन के लिए ट्राफिक के अनुसार मेट्रो चलाई जाएंगी। भोपाल में 27 रेल सेट चलाने की क्षमता रहेगी, जबकि इंदौर में 25 रेल सेट चलेगी। इस क्षमता के अनुसार रेल तब संचालित की जाएगी जब दोनों शहरों में पूरी रेल लाइन बिछा जाएगी।

MPMETRO

METRO NEWS

5th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	नई दुनिया	इंदौर	05.06.2023	8	मेट्रो की रफ्तार ड़ेगी विकास को विस्तार	Neutral

8 नईदुनिया इंदौर, सोमवार 05 जून, 2023 www.naidunia.com गौरव यात्रा

मेट्रो की रफ्तार देगी विकास को विस्तार

नई इबारत ● ट्रेन, बस और हवाई उड़ान के बाद अप्रैल तक मेट्रो रेल में भी धड़केगा इंदौर का दिल

इंदौर के लोगों ने बीते 70 से 75 साल में तांगे, टेम्पो के बाद सिटी बस, इलेक्ट्रिक बस तक का सफर तय किया। इंदौर नगर से महानगर तक पहुंच गया और अब मेट्रो सिटी बनने की राह पर है। जब बीआरटीएस बना तो यह इंदौर में काफी सफल रहा और इस पर चलने वाली आइबस आज शहर की लाइफलाइन बन चुकी है। नौकरीपेशा लोग, कामकाजी महिलाएं और स्कूल-कालेज और कोचिंग जाने वाले विद्यार्थी बड़े पैमाने पर इन बसों का उपयोग करते हैं। अब शहर मेट्रो की रफ्तार से चलने के लिए तैयार हो रहा है।

2032
तक शहर में छह कोच की मेट्रो का होगा संचालन

05
मिनट में यात्रियों को मिलेगी मेट्रो ट्रेन

ओवरहेड और भूमिगत ट्रैक पर वर्ष 2026 से लोग कर पाएंगे यात्रा

गांधी नगर से सुपर कारिडोर पर बनने वाले तीन मेट्रो स्टेशन आम लोगों के लिए अप्रैल 2024 तक तैयार हो जाएंगे। रेडिसन चौराहे तक दिसंबर 2024 तक मेट्रो रूट तैयार हो जाएगा। मेट्रो के ओवरहेड व भूमिगत वलयाकार पूरे ट्रैक पर यात्रा का आनंद लेने के लिए इंदौरवासियों को वर्ष 2026 तक इंतजार करना होगा। इंदौर में शुरुआत में मेट्रो तीन कोच की होगी। इसमें हर पांच मिनट यात्रियों के एक ट्रेन उपलब्ध होगी। 2032 में मेट्रो छह कोच से संचालन शुरू हो जाएगा।

अजय कुमार
महाप्रबंधक, मेट्रो रेल कार्पोरेशन

मेट्रो रेल कार्पोरेशन द्वारा पहले चरण में 34.5 किलोमीटर में एलिवेटेड व भूमिगत ट्रैक तैयार किया जाना है। वर्तमान में मेट्रो के 17.5 किलोमीटर हिस्से में काम चल रहा है। उल्लेखनीय है कि शहर में सितंबर माह तक मेट्रो के गांधीनगर से सुपर कारिडोर तक 5.5 किलोमीटर हिस्से पर ट्रायल होना है। ऐसे में गांधी नगर डिपो से लेकर सुपर कारिडोर तक मेट्रो पिलर के बायडक्ट पर पटरियां बिछाने का काम तेजी से जारी है। साथ ही पांच मेट्रो स्टेशन भी तैयार हो रहे हैं। गांधी नगर से सुपर कारिडोर पर बनने वाले तीसरे मेट्रो स्टेशन तक का रूट अप्रैल 2024 तक तैयार हो जाएगा और इसमें यात्री सफर कर सकेंगे। शुरुआत में इंदौर में यात्रियों को हर पांच मिनट पर मेट्रो मिल सकेगी।

वलय के रूप में तैयार होगा शहर का मेट्रो मार्ग

वर्तमान में एयरपोर्ट से रोबोट चौराहे तक मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए पिलर बायडक्ट का निर्माण कार्य जारी है। अगले चरण में रोबोट चौराहे से हाई कोर्ट तिराहे तक का काम भी शुरू होगा। इसके लिए निर्माण एजेंसी इस माह के अंत तक तय हो जाएगी। रीगल चौराहा से एयरपोर्ट तक मेट्रो लाइन भूमिगत रहेगी। इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही और टेंडर अगले दो माह में जारी होने की संभावना है। इस तरह एयरपोर्ट से आइएसबीटी, रेडिसन, पलासिया, रेलवे स्टेशन होते हुए एयरपोर्ट एक वलय तैयार हो जाएगा। इससे आम लोगों को शहर में कहीं भी आने-जाने के लिए मेट्रो के साथ अन्य संपर्क भी मिल सकेंगे। इसके साथ भविष्य में शहर में बनने वाले मेट्रो के सभी मार्ग इसी से जुड़ते जाएंगे।

रीगल चौराहा से एयरपोर्ट तक भूमिगत रहेगी मेट्रो लाइन

26 हेक्टेयर में तैयार होगा मेट्रो डिपो : गांधी नगर में 26 हेक्टेयर जमीन पर मेट्रो डिपो का निर्माण किया जा रहा है। मेट्रो के डिपो में स्टेबलिंग यार्ड 28 लाइन का बनाया जाना है। इसके बाद अगले चरण में

920 मीटर का टेस्ट ट्रैक तैयार

डिपो के पास ही मेट्रो का 920 मीटर का टेस्ट ट्रैक भी बनकर तैयार है। मेट्रो ट्रेन के असेंबल होने के बाद इस ट्रैक पर मेट्रो ट्रेन को चलाकर उसकी जांच की जाएगी। इस पर पटरियां बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

20 लेन का ट्रैक तैयार किया जाएगा। डिपो में मेट्रो ट्रेन के निरीक्षण व परीक्षण के लिए चार लेन का निरीक्षण शेड बनाया जा रहा है। इसकी ऊंचाई 9 मीटर व लंबाई 160 मीटर होगी। ऐसे में इसमें क्रेन का उपयोग भी किया जाएगा। यहां मेट्रो ट्रेन के पहुंचने पर उसकी जांच होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	Free Press	Indore	07.06.2023	2	Metro to be the safest public transport in city	Neutral

INDORE CITY
www.freepressjournal.in INDORE | WEDNESDAY | JUNE 7, 2023 pg-02

METRO TO BE THE SAFEST PUBLIC TRANSPORT IN CITY

ARSH RAFIK VISAAL
city.indore@fpj.co.in

The Indore Metro, which is one of the most important projects of the city, will be one of the most advanced and reliable means of public transport having more secure and advanced technology compared to any other means of public transport.

Officials of Indore Metro said, "Indore Metro Rail will have cutting-edge technology that caters to the present and future needs."

"To ensure safe and reliable transportation of a large number of passengers, the metro rail service incorporates state-of-the-art signalling technology. This technology guarantees smooth and secure journey for commuters," official added.

The signalling system maintains safe train separation, which is upgraded nowadays to cab-signalling in urban metro systems.

Indore Metro Rail project has chosen a Communication-Based Train Control (CBTC) system that enables unattended train operation, also known as Grade of Automation -4 (GoA-4).

The chosen signalling system is of Alstom which integrates computerised based interlocking, automatic train control, automatic train supervision, and centralised control & monitoring.

Officials said, "Indore Metro will operate at the highest level of automation which is of international standards. Along with the unattended train operation mode, automatic train operation and automatic train protection modes will also be available to the driver."

CBTC SYSTEM FEATURES

Automatic Modes of Operation

a) **GOA-2 (Grade of Automation-2):** In GOA-2 Operation the train is run by driver in the Driver's Cab of Leading DMC car which will have all the controlling system required to operate the train.

b) **GOA-4 (Grade of Automation-4):** The system is the most advanced system of railway automation wherein train runs without a driver. This is also called Unattended train Operation (UTO).

Reduced Headway

CBTC offers reduced headway between trains, thus maximizing network capacity and throughput. Headway is defined as minimum time interval between successive trains at any point on the line such that the speed of following trains is not reduced by the presence of any other service train ahead.

Moving Block Technology

Moving block methodology based on CBTC technology will be used, which enables reduction of the safety distance between two consecutive trains.

Predictive Maintenance

Round the clock monitoring of heath parameters of various subsystems of signalling system to ensure reduced maintenance effort during operational hours.

Timetable Regulation Modes

ATR subsystem shall maintain the timetable sequence of trains. It shall regulate trains, optimize train performance, headway regulation and schedule to minimize overall delay with respect to the timetable.

Auto Washing of Coaches

Trains returning to depot after operational hours will be automatically routed to wash plant as per the timetable. Train coaches will be cleaned and further automatically routed to Stabling Bay Line (SBL) in the depot.

Auto Sleep and Wake-up

As per the timetable, trains after revenue service will return to SBL area in depot and it will automatically enter into sleep mode. ATC will keep on monitoring trains and trains will automatically wake up in the morning as per the schedule without the involvement of operation or maintenance staff.

Centralised Cyber Security System

Centralized cyber security system will be deployed to secure the CBTC system. Signalling System is designed to ensure next-generation threat detection to safeguard the operational network from emerging cyber threats and ensure regulatory compliance as per International Standards.

Intrusion Detection System

Intrusion of passenger on track will be prevented by platform screen doors (PSD). PSD shall remain closed and locked until train has docked and open only if adequate width of passage is provided for passenger.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	पत्रिका	इंदौर	08.06.2023	2	अपनी अन्डरग्राउन्ड मेट्रो के लिए ड्रोन सर्वे जल्द, तीसरे चरण का काम शुरू करने की है तैयारी	Neutral

पत्रिका

INDOREPRIME
इंदौर प्राइम

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो
#Readers Connect Indore News
facebook.com/groups/indorevoice

पत्रिका. इंदौर, गुरुवार, 08 जून, 2023
इन आइकन से जुड़ी सामग्री पत्रिका इंदौर वॉइस फेसबुक ग्रुप पर पढ़ें, अपनी खबरें भी भेजें
क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन | खबरें | समस्याएं | सुझाव | फोटो | वीडियो | पॉडकास्ट
इंदौर की खबरें patrika.com/indore-news/ पर भी देखें

#MetroTrain: ट्रेजर आइलैंड से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड ट्रैक के लिए कवायद, कॉरपोरेशन ने मांगी अनुमति

अपनी अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए ड्रोन सर्वे जल्द, तीसरे चरण का काम शुरू करने की है तैयारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. सरकार ने इंदौर व भोपाल मेट्रो की पहली लाइन के तीसरे चरण का काम भी शुरू करने की तैयारी कर ली है। भोपाल में अंडरग्राउंड टनल बनाने के लिए टेंडर बुलाए गए हैं। अब इंदौर के लिए भी काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा ट्रेजर आइलैंड से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड ट्रेक का ड्रोन सर्वे करवाया जाएगा। इससे एस्टिमेट को अंतिम रूप देकर टेंडर जारी किए जा सकेंगे।

कॉरपोरेशन ने सर्वे के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी है। सब कुछ ठीक रहा तो दिसंबर-2026 तक मेट्रो रिंग रूट पर दौड़ने लगेगी। सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम तेजी से जारी है। सरकार पहले चरण में 6 किमी के ट्रैक पर सितंबर में ट्रायल रन शुरू करेगी। साथ ही कॉरपोरेशन ने मेट्रो के पूरे रिंग रूट को बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। शहीद पार्क से एमजी रोड तक एलिवेटेड कॉरिडोर के टेंडर जारी हो गए हैं। इसके आगे मेट्रो अंडरग्राउंड रहेगी। इसके रूट को लेकर विवाद का पटाक्षेप भी हो गया है। प्रस्तावित रूट पर सहमति बनने के बाद एस्टिमेट तैयार करने का काम चल रहा है। एमजी रोड हाई कोर्ट के समीप से एयरपोर्ट तक करीब 8 किमी मेट्रो अंडरग्राउंड रहेगी। इसमें 7 अंडरग्राउंड स्टेशन रहेंगे। जमीन से करीब 70 फीट नीचे बनने वाली टनल के लिए ड्रोन सर्वे किया जाएगा। इसके लिए मुंबई की कंपनी को कार्य दिया गया है।

सूरत में मेट्रो जमीन के अंदर भी चलेगी। इसके लिए कापोद्रा क्षेत्र में दो टनल बनाई जा रही हैं। इसे बनाने के लिए टनल बोरिंग मशीन की मदद ली जा रही है। वर्ष 2025 तक कॉरिडोर का कार्य पूरा हो जाएगा। इससे इसी वर्ष के अंत तक सरथाणा से ड्रीम सिटी कॉरिडोर बनने की उम्मीद है।

क्यूआर कोड स्कैन कर वीडियो देखें...

तीन चरणों में हो रहा काम

मेट्रो का तीन चरण में काम हो रहा है। पहले चरण में एयरपोर्ट से शहीद पार्क तक का काम शुरू कर दिया गया है। यह अगले साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके आगे एमजी रोड तक के टेंडर जारी कर दिए गए हैं। यहां मेट्रो एलिवेटेड रहेगी। यह कार्य 2025 के अंत तक पूरा होगा।

स्टेशन एरिया का होगा सर्वे

कॉरपोरेशन अंडरग्राउंड रूट पर स्टेशन के स्थान का सर्वे करेगा। सबसे बड़ा स्टेशन नगर निगम के समीप बनेगा। यह स्टेशन राजबाड़ा के आसपास होने से शहर का प्रमुख स्टेशन होगा। इसके बाद अगला स्टेशन छोटा गणपति पर होगा।

Date: 08/06/2023, Edition: Indore City, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

METRO NEWS

13th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	पत्रिका	इंदौर	13.06.2023	02	मेट्रो की रफ़्तार का रास्ता तैयार	Neutral

इंदौर प्राइम INDOREPRIME

पत्रिका. इंदौर, मंगलवार, 13 जून, 2023

Pg-II

अपनी मेट्रो की रफ्तार का रास्ता तैयार...

इंदौर. मेट्रो ट्रेन की तैयारियां जोरों पर हैं। सुपर कॉरिडोर पर ट्रेन के लिए पटरियां बिछने लगी हैं। डिपो के लिए रूट का काम भी अंतिम चरण में है। काम की रफ्तार को देखते हुए उम्मीद है कि हम जल्द ही मेट्रो की सवारी कर सकेंगे। शहर के अन्य स्थानों पर भी मेट्रो के काम में गति नजर आ रही है। विजय नगर होते हुए बंगाली चौराहे की तरफ जाने वाले रूट पर भी निर्माण कार्य के चलते सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। **-फोटो: राजेश डोंगरे**

क्यूआर कोड स्कैन कर देखें खबर का वीडियो

MPMETRO

METRO NEWS

15th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	राज एक्सप्रेस	इंदौर	15.06.2023	09	दिन-रात जारी मेट्रो की रफ्तार, समय पर ट्रायल रन का इंतज़ार	Neutral

राज एक्सप्रेस | महानगर

गुरुवार, 15 जून, 2023
www.rajexpress.co

9

इंदौर

जल्दी तैयार होंगे इंदौर मेट्रो के 2 स्टेशन, इनके प्लेटफार्म और एन्सलरी एरिया अब बन कर तैयार है

गांधी नगर डिपो में एडमिन बिल्डिंग, ट्रायल ट्रेक का निर्माण अंतिम चरण में

दिन-रात जारी मेट्रो की रफ्तार, समय पर ट्रायल रन का इंतजार

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

प्रदेश के 2 प्रमुख शहरों में इस वर्ष सितंबर माह में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन किया जाना है। इसके लिए दिनरात निमार्ण कार्य जारी है। इंदौर में मेट्रो के डिपो, ट्रेक, स्टेशन और पियर्स का काम दिन रात जारी है। वही सुपर कॉरिडोर पर बनने वाले 5 स्टेशनों में से 2 का आकार अब दिखाई देने लगा है। इनके प्लेटफॉम और एन्सलरी एरिया अब बन कर तैयार है।

...ताकि हो आसानी

गांधीनगर स्थित मेट्रो डिपो की प्रमुख इमारतों सहित ट्रायल टेस्ट ट्रेक, रेम्प, निरिक्षण बे, एक्सलरी सब स्टेशन, एडमिन बिल्डिंग, स्थाई कंट्रोल रूम सहित गांधी नगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर स्टेशन आदि का निर्माण कार्य जारी है। इस संबध में मप्र मेट्रो ने एक विडियो जारी कर जानकारी दी। मेट्रो के ट्रायल से पहले गांधी नगर डिपो को तैयार करने के लिए तेजी से निमार्ण कार्य किया जा रहा है। डिपो में जहां पर मेट्रो ट्रेन का निरीक्षण के लिए खड़ी होगी वो हिस्सा जमीन से 1.2 मीटर ऊपर ऊचाई पर होगा ताकि कर्मचारी ट्रेन का नीचे से निरीक्षण कर सके। इस वजह से निरीक्षण यार्ड में 128 स्टील के ट्रेक सपोर्ट कालम लगाए जा रहे है, इसके ऊपर मेट्रो की पटरियों को बिछाया जाएगा। इस तरह मेट्रो के निरीक्षण में आसानी होगी।

रैम्प का काम जारी

वहीं डिपो के स्टेबलिंग यार्ड में 8 मेट्रो ट्रेनों के खड़े रहने के लिए जगह बनाई जा रही है। यहा रेल पटरी बिछाने के पहले बेस तैयार करने का काम होगया है। जल्दी ही यहां पटरियों को बिछाने का काम किया जाएगा। मेट्रो के डिपो से ट्रेन रैम्प पर चढ़कर पिलर के बायडक्ट पर पहुंचेगी। ऐसे में डिपो में रैम्प को तैयार करने का काम भी लगातार जारी है।

चरणबद्ध कार्य किया जा रहा

रैम्प का जमीन से ऊपर का कांक्रीट स्ट्रक्चर पुरा हो चुका है। इसके अलावा यहां पर तैयार हो रहे मेट्रो के आपरेशन कमांड सेंटर पर विद्युतीकरण व प्लंबिंग का कार्य किया जा रहा है। डिपो के पास में मेट्रो का 920 मीटर का टेस्ट ट्रैक भी बनकर तैयार है। मेट्रो टेन के असेंमबल होने के बाद इस ट्रेक पर मेट्रो ट्रेन का चलाकर उसकी जांच की जाएगी। इसके बाद मेट्रो का पहला स्टेशन गांधी नगर तैयार किया जा रहा है। वही सुपर कॉरिडोर पर बनने वाले 5 स्टेशनों का निमार्ण कार्य जारी है। इनमें सुपर कॉरिडोर नंबर 5 और नंबर 3 का आकार अब दिखाई देने लगा है। इसके दोनो फ्लोर, प्लेटफार्म और अन्य स्थान पर निमार्ण कार्य दिन-रात जारी है। वही इसके आगे के हिस्से में भी चरणबद्ध कार्य किया जा रहा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	नई दुनिया	इंदौर	19.06.2023	02	मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए देख रहे कर्ज की राह	Neutral

मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए देख रहे कर्ज की राह

कवायद ● 3200 करोड़ रुपये की जरूरत, नेशनल डेवलपमेंट बैंक में लंबित पड़ी है प्रक्रिया

उदय प्रताप सिंह ● इंदौर

इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के काम के लिए 3200 करोड़ रुपये की जरूरत है, इसके लिए मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन कर्ज लेगा। प्रबंधन द्वारा लंबे समय से 1600 करोड़ रुपये का लोन एशियन डेवलपमेंट बैंक से लेने की कवायद चल रही है। ऐसे में फिलहाल केंद्र और राज्य सरकार की इक्विटी राशि से काम किया जा रहा है। मेट्रो प्रोजेक्ट के काम की गति बढ़ाने के लिए अब राशि की जरूरत बढ़ती जा रही है।

बताया जा रहा है कि मेट्रो के अंडर ग्राउंड के निर्माण के लिए लोन लिया जाएगा। गौरतलब है कि इंदौर में मेट्रो के निर्माण के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 20 -20 फीसद राशि इक्विटी के रूप में दी जा रही है और 60 फीसद राशि लोन के माध्यम से जुटाई जाना है।

इंदौर में मेट्रो रेल के निर्माण के लिए वर्ष 2018 में जो रूट अलायमेंट किया था, उसमें मेट्रो की लागत 7500 करोड़ रुपये तय गई थी। पांच वर्षों में मेट्रो निर्माण की लागत बढ़ने से तय बजट में 50 फीसद की बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि इंदौर में मेट्रो निर्माण में लगभग 10 हजार करोड़ रुपए तक खर्च हो सकते हैं।

एडीबी से लोन लेने के पहले सर्वे पूरा करने की कोशिश : मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए एडीबी से लोन लेने से पहले मेट्रो कार्पोरेशन अंडर ग्राउंड मेट्रो के सर्वे संबंधित सभी काम पूरा करना चाहता है। अंडर ग्राउंड मेट्रो के लिए सोशल इम्पेक्ट एनालिसिस और इंवायरमेंट इम्पेक्ट एनालिसिस सहित अन्य सर्वे का कार्य पूरा किया जा रहा है।

दिसंबर 2024 तक कमर्शियल आपरेशन का लक्ष्य : मेट्रो रेल का काम फरवरी 2019 में शुरू हुआ था और इसे वर्ष 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। कोविड के कारण दो साल तक मेट्रो का काम धीमी गति से चला।

हालांकि इस वर्ष की शुरुआत से काम में गति आई है और सितंबर 2023 तक गांधी नगर से सुपर कारिडोर तक 6 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का ट्रायन रन किए जाने का लक्ष्य रखा है। इसके बाद दिसंबर 2024 तक गांधी नगर से रोबोट चौराहे के बीच मेट्रो के एलिवेटेड हिस्से पर ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा गया है।

मेट्रो रेल परियोजना में सुपर कारिडोर पर पटरियों का काम अंतिम दौर में है। ● राजू पवार

मेट्रो के एलिवेटेड हिस्से में नेशनल डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी), केंद्र व राज्य से मिलने वाली इक्विटी से फंडिंग होना है। एनडीबी से लोन की सभी औपचारिकताएं पूरी हो गई है और हस्ताक्षर होना बाकी है। वहां के मैनेजमेंट में बदलाव होने के कारण अभी यह प्रक्रिया लंबित है। मौजूदा कार्य में केंद्र व राज्य से मिली इक्विटी राशि खर्च की जा रही है। मौजूदा कार्य के लिए अभी लोन की जरुरत भी नहीं है। अंडर ग्राउंड मेट्रो के लिए एडीबी लोन ने लेने की प्रक्रिया जारी है।

– **मनीष सिंह,** एमडी मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन

MPMETRO

METRO NEWS

21st JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	पत्रिका	इंदौर	21.06.2023	iv	गांधीनगर डिपो से सुपर कारिडोर पर बिछ रही पटरी, विजयनगर-बापट चौराहे पर रात मे काम	Neutral

INDOREPRIME
इंदौर प्राइम
पत्रिका. इंदौर, बुधवार, 21 जून 2023

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो
#Readers Connect Indore News
facebook.com/groups/indorevoice
इन आइकन से जुड़ी सामग्री पत्रिका इंदौर वॉइस फेसबुक ग्रुप पर पढ़ें, अपनी खबरें भी भेजें
क्यूआर कोड
मोबाइल से करें स्कैन
खबरें | समस्याएं | सुझाव | फोटो | वीडियो | पॉडकास्ट
इंदौर की खबरें patrika.com/indore-news/ पर भी देखें

#IndoreMetro: शहर की मेट्रो ने पकड़ी रफ्तार, चार महीने में छह किमी हिस्सा बनाने का दावा

गांधीनगर डिपो से सुपर कॉरिडोर पर बिछ रही पटरी, विजयनगर-बापट चौराहे पर रात में काम

पत्रिका प्रमोद मिश्रा
patrika.com

इंदौर. शहर में मेट्रो रूट पर अब तेजी से काम हो रहा है। एक सप्ताह में विजयनगर और बापट चौराहे पर ट्रैक पर सीमेंट सेगमेंट लांच किए जा रहे हैं। सुपर कॉरिडोर ब्रिज के साइड में भी ट्रैक बनाने का काम तेजी से चल पड़ा है। जहां पटरी के एक हिस्से का काम सितंबर तक पूरा होना है वहीं आगे 6 किमी के हिस्से का काम चार महीने में पूरा करने का दावा किया जा रहा है।

मेट्रो रेल कार्पोरेशन की देखरेख में प्रोजेक्ट चल रहा है। गांधीनगर डिपो से लेकर सुपर कारिडोर पर आगे पांच किलोमीटर के हिस्से में गर्डर रखने के बाद पटरी बिछाने का काम किया जा रहा है। 70 से 75 प्रतिशत काम हो गया है। 15 दिन में टीमों ने पूरी ताकत से काम को आगे बढ़ाया है।

पांच किमी के हिस्से का काम दूसरी कंपनी के पास था और टोल नाके से रोबोट चौराहे तक के 6 किमी हिस्से का काम दूसरी कंपनी कर रही है। 6 किमी हिस्से को पूरा करने की समय सीमा मई 2023 थी, लेकिन काम पूरा नहीं हुआ। कंपनी को डेढ़ साल का समय मिल गया है, लेकिन चार महीने में काम पूरा होने का दावा किया जा रहा है।

200
दिन में टीमों ने काम को झोंक दी पूरी ताकत

75
प्रतिशत काम लगभग हो चुका है पूरा

दिसंबर 2024 तक दौड़ेगी मेट्रो

सितंबर 2023 तक गांधीनगर से करीब 5 मीटर की पटरी बिछाने का काम पूरा हो जाएगा। जहां तक मेट्रो का मामला है, अगले साल दिसंबर 2024 तक किसी भी स्थिति में गांधीनगर से रोबोट चौराहे तक मेट्रो ट्रेन का कमर्शियल रन शुरू कर देंगे।
- मनीषसिंह, एमडी, मेट्रो रेल कार्पोरेशन

स्टेशन के लिए नाले पर बनेगा मजबूत पिलर

गांधीनगर से रोबोट चौराहे तक 35 स्टेशन बनेंगे। कहीं आधी किमी तो कहीं पौन किलोमीटर की दूरी पर स्टेशन बन रहा है। बापट चौराहे से विजयनगर की ओर बढ़ने पर नाले के ऊपर स्टेशन बनाने की तैयारी है। एक पिलर को नाले पर बनाया जा रहा है। विशेषज्ञों की टीम के देखरेख में यहां काम शुरू हो गया है। इसके बाद अगला स्टेशन मेघदूत उपवन के सामने होगा।

सुपरवाइजर सहित 600 कर्मचारी जुटे

कंपनी ने काम पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। 200 स्ट्रक्चरल इंजीनियर, सुपर वाइजर की टीम है, साथ ही 400 मजदूरों की टीम 24 घंटे काम कर रही है। इस बार तय सीमा में काम करने का लक्ष्य है।

क्यूआर कोड स्कैन कर वीडियो देखें...

विजयनगर चौराहा : रात में ट्रैफिक डायवर्ट कर लांच की गर्डर

पत्रिका टीम को कंपनी के विशेष इंजीनियर ने काम की तेजी को लेकर निरीक्षण कराया। विशेषज्ञ के मुताबिक, विजयनगर चौराहे पर चार दिन से रात में गर्डर लांच की जा रही हैं। यहां ट्रैफिक का डायवर्शन कर सुरक्षा साधनों के बीच काम हो रहा है। दो पिलर के बीच 24 मीटर की दूरी है और 8 सीमेंट सेगमेंट (गर्डर) को रखा जाता है। एक गर्डर करीब 9 से 10 टन वजनी है। कभी एक तो कभी दो दिन में काम होता है। रात में गर्डर लांच होती है और बैलेंस मशीन से दिन में जमाने का काम चलता है।

बापट चौराहा : ट्रैफिक का दबाव, तीन दिन में पूरे हुए तीन पिलर

बापट चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव होने से काम धीमा चल रहा है। विशेषज्ञ के मुताबिक, तीन दिन में तीन पिलर के बीच गर्डर लांच का काम हो गया है। रात में गर्डर को लांच की जा रही है। 24 मीटर की दूरी में 8 सीमेंट सेगमेंट रखने का काम एक रात में पूरा किया है, दिन में उसे जमाया जा रहा है। कंपनी के प्रतिनिधि का दावा है चार महीने में सिविल वर्क पूरा हो जाएगा, इसके बाद पटरी बिछाने का काम होगा। रोबोट चौराहे से आगे के हिस्से में निर्माण के लिए एजेंसी तय नहीं हो पाई है, टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

MPMETRO

METRO NEWS

24th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	नई दुनिया	इंदौर	24.06.2023	3	मेट्रो के काम ने पकड़ी गति, टेस्टिंग ट्रैक पर सो प्रतिशत बिछी पटरियाँ	Neutral

इंदौर, शनिवार 24 जून 2023

नईदुनिया सिटी

इंदौर

www.naidunia.com

पेज 3
सुहाने मौसम में पूल पार्टी का आनंद

बैजू बावरा के लिए अभी करनी होगी प्रतीक्षा

मेट्रो के काम ने पकड़ी गति, टेस्टिंग ट्रैक पर सौ प्रतिशत बिछीं पटरियां

पटरी पर आने लगी काम की रफ्तार जांच ट्रैक पर कसे जा रहे स्लीपर

मेट्रो ट्रेन का परीक्षण सितंबर माह तक किया जाना है। ऐसे में मेट्रो ट्रैक के अधिकांश हिस्सों पर निर्माण संबंधी कार्य की गति बढ़ा दी गई है। ट्रैक के काफी हिस्से पर पटरियां बिछाई जा चुकी हैं। अब उनके नीचे लगे स्लीपर को कसने का कार्य किया जा रहा है।

गांधीनगर डिपो में मेट्रो के टेस्ट ट्रैक में सिविल कार्य शत प्रतिशत पूरा हो गया है। 940 मीटर के टेस्ट ट्रैक पर पटरियां बिछाने का कार्य भी संपन्न हो चुका है। अब उस पर स्लीपर कसे जा रहे हैं। गांधीनगर में 26 हेक्टेयर जमीन पर मेट्रो का डिपो तैयार किया जा रहा है। ऐसे में इस मैदान पर अर्थवर्क्स (फिलिंग) का कार्य 95 प्रतिशत तक पूर्ण हुआ है। शेष करीब पांच प्रतिशत काम में कुछ समय लगेगा। इस क्षेत्र में जहां भी ऊबड़-खाबड़ जमीन थी, वहां अब मिट्टी की कटाई व भराव करवाया जा रहा है।

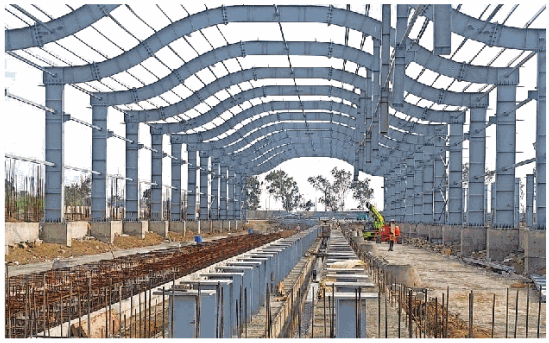

मेट्रो के निरीक्षण यार्ड में फिलहाल एक लेन के ट्रैक पर 126 स्टील के पिलर लगा दिए गए हैं। यहां भी काम तेजी से चल रहा है। ● नईदुनिया

निरीक्षण शेड की एक लेन में लगाए 126 पिलर

डिपो में बनाए जा रहे स्टेबलिंग शेड का कार्य 65 प्रतिशत हुआ है। इसमें आठ लेन का ट्रैक तैयार करने के पूर्व सिविल कार्य पूरा हुआ है। अब इस पर पटरियां बिछाने का काम शुरू होगा। फिलहाल यहां जमीन के ऊंचाई के बराबर कालम खड़े किए गए हैं। इसके अलावा यहां बनाए जा रहे निरीक्षण यार्ड में चार ट्रैक बनाए जाने हैं। इसमें एक लेन का ट्रैक तैयार हो गया है। एक लेन में स्टील के 126 पिलर लगाए गए हैं। इस पर जून माह के अंत रेलवे पटरी बिछा दी जाएगी। गौरतलब है कि निरीक्षण यार्ड में मेट्रो स्टील के पिलर पर 1.2 मीटर ऊंचाई पर खड़ी होगी। इसके अलावा मेट्रो डिपो परिसर में बनाए जा रहे प्रशासनिक भवन का कार्य भी 67 प्रतिशत हो गया है। इसमें स्ट्रक्चर संबंधित कार्य व कंट्रोल कमांड सेंटर का कक्ष बना है। अब यहां फर्श व विद्युत केबल बिछाने संबंधी कार्य किया जा रहा है। रैम्प पर स्लैब बिछाने का काम प्रगति पर है।

वायडक्ट व मेट्रो स्टेशन बनाने की कवायद भी तेज

डिपो परिसर में जहां जिस रैम्प से मेट्रो वायडक्ट तक पहुंचेगी, उस रैम्प पर स्लैब बिछाने का कार्य प्रगति पर है। यहां सभी वायडक्ट के पियर का कार्य 72 प्रतिशत पूर्ण हुआ है और वायडक्ट के सेगमेंट कास्टिंग का कार्य 81 प्रतिशत पूर्ण हुआ है। वायडक्ट के ओपन फाउंडेशन का कार्य 59 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। सितंबर में ट्रायल रन से पहले मेट्रो कार्पोरेशन चार स्टेशन का निर्माण कार्य पूर्ण करेगा। वर्तमान में मेट्रो के मार्ग पर बनने वाले 16 ओवरहेड मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए खोदाई व पाइलिंग का कार्य पूर्ण हुआ है। मेट्रो स्टेशन पर पियर निर्माण संबंधित कार्य भी पूर्ण है। मेट्रो स्टेशन पर पियर आर्म कास्टिंग का कार्य भी 71 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Free Press	Indore	24.06.2023	4	Track being laid down at the Metro rail depot	Positive

INDORE CITY
INDORE | SATURDAY | JUNE 24, 2023 www.freepressjournal.in

Tracks being laid down at the Metro Rail depot. PIC BY ANAND SHIVRE

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	पत्रिका	इंदौर	24.06.2023	03	विजय नगर सहित 2 चौराहों पर मेट्रो का काम पूरा, लगेंगे सिग्नल	Neutral

चार चौराहों की ट्रैफिक व्यवस्था में जल्द होगा बदलाव

विजय नगर सहित 2 चौराहों पर मेट्रो का काम पूरा, लगेंगे सिग्नल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मेट्रो रूट का काम विजय नगर व सयाजी चौराहे पर लगभग पूरा हो गया हैं। गर्डर लॉन्च करने के लिए अब यहां डायवर्सन नहीं करना पड़ेगा। जल्द ही डामरीकरण होगा। मेट्रो के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को इस संबंध में जानकारी दी हैं। अभी गर्डर का काम जारी होने से कई बार डायवर्सन करना पड़ता हैं। विजय नगर व सयाजी चौराहे की रोटरी हट गई हैं, मेट्रो कंपनी ने अस्थाई रोटरी बना रखी हैं, जो जल्द हटेगी। चौराहे पर नगर निगम बीआरटीएस की रेलिंग बढ़ाने का काम करेगा। इसके बाद यहां सीमेंट के डिवाइडर लगाकर लेन सिस्टम बनाया जाएगा।

लगता है जाम

चौराहों की व्यवस्था के लिए कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने डीसीपी ट्रैफिक मनीष अग्रवाल व एसीपी बसंतकुमार कौल के साथ विजय नगर व सयाजी चौराहे का दौरा किया। सीमेंट डिवाइडर से अस्थायी छोटी रोटरी बनाई जाएगी। कलेक्टर ने स्मार्ट सिटी सीइओ को विजयनगर चौराहे पर जल्द नए सिग्नल लगवाने के लिए भी निर्देशित किया। रोबोट चौराहा व खजराना चौराहे पर भी अधिकारी पहुंचे। खजराना चौराहे पर ओवरब्रिज निर्माण से शाम को जाम लगत है। यहां ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए कहा है।

MPMETRO

METRO NEWS

25th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	दबंग दुनिया	इंदौर	25.06.2023	2	मेट्रो टेस्ट रन के लिए पटरियाँ बिछी अब कस रहे नीचे लगे स्लीपर	Neutral

दबंग दुनिया
www.dabangdunia.co.in
इंदौर
SUNDAY 02
इंदौर, 25 जून 2023

940 मीटर का है टेस्ट ट्रैक, चार मेट्रो स्टेशन के काम में भी तेजी

मेट्रो टेस्ट रन के लिए पटरियां बिछी अब कस रहे नीचे लगे स्लीपर

दबंग रिपोर्टर ▸ इंदौर

शहर के सबसे बड़े मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन सितंबर में करने का टारगेट तय किया गया है और उस हिसाब से तैयारियां भी की जा रही है। इस समय मेट्रो ट्रैक के अधिकांश हिस्सों पर निर्माण कार्य तेज गति से किया जा रहा है। ट्रैक के बड़े हिस्से पर पटरियां बिछाई जा चुकी हैं और अब उनके नीचे लगे स्लीपर को कसने का कार्य किया जा रहा है।

गांधीनगर डिपो में मेट्रो के टेस्ट ट्रैक में सिविल कार्य शत प्रतिशत पूरा हो गया है। 940 मीटर के टेस्ट ट्रैक पर पटरियां बिछाने का कार्य भी संपन्न हो चुका है। अब उस पर स्लीपर कसे जा रहे हैं। गांधीनगर में 26 हेक्टेयर जमीन पर मेट्रो का डिपो तैयार किया जा रहा है। ऐसे में इस मैदान पर अर्थवर्क्स (फिलिंग) का कार्य 95 प्रतिशत तक पूर्ण हुआ है।

बचे हुए काम में कुछ समय लगेगा। इस क्षेत्र में जहां भी ऊबड़-खाबड़ जमीन थी, वहां अब मिट्टी की कटाई व भराव करवाया जा रहा है।

डिपो में बनाए जा रहे स्टेब्लिंग शेड का काम भी दो तिहाई पूरा हो गया है। इसमें आठ लेन का ट्रैक तैयार करने के पूर्व सिविल कार्य पूरा हुआ है। अब इस पर पटरियां बिछाने का काम शुरू होगा। फिलहाल वहां जमीन के ऊंचाई के बराबर कॉलम खड़े किए गए हैं। इसके अलावा यहां बनाए जा रहे निरीक्षण यार्ड में चार ट्रैक बनाए जाने हैं। इसमें एक लेन का ट्रैक तैयार हो गया है। एक लेन में स्टील के 126 पिलर लगाए गए हैं। इस पर इस महीने के आखिर तक रेलवे पटरी बिछाने का लक्ष्य लेकर काम किया जा रहा है। निरीक्षण यार्ड में मेट्रो स्टील के पिलर पर 1.2 मीटर ऊंचाई पर खड़ी होगी। इसके अलावा मेट्रो डिपो परिसर में बनाए जा रहे प्रशासनिक भवन का काम भी आधे से ज्यादा पूरा हो गया है। इसमें स्टूडर संबंधित कार्य व कंट्रोल कमांड सेंटर का कक्ष बना है। अब यहां फर्श व विद्युत केबल बिछाने संबंधी कार्य किया जा रहा है। रेम्प पर स्लैब बिछाने का काम प्रगति पर है। डिपो परिसर में जिस रैम्प से मेट्रो वायडक्ट तक पहुंचेगी, उस रैम्प पर स्लैब बिछाने का काम भी तेजी से चल रहा है। यहां सभी वायडक्ट के पियर का कार्य 72 प्रतिशत पूर्ण हुआ है और वायडक्ट के सेगमेंट कास्टिंग का कार्य 81 प्रतिशत पूर्ण हुआ है। वायडक्ट के ओपन फाउंडेशन का कार्य 59 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। सितंबर में ट्रायल रन से पहले मेट्रो कॉर्पोरेशन चार स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा कर लेगा। वर्तमान में मेट्रो के मार्ग पर बनने वाले 16 ओवरहेड मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए खोदाई व पाइलिंग का कार्य पूर्ण हुआ है। मेट्रो स्टेशन पर पियर निर्माण संबंधित कार्य भी पूरा हो चुका है। मेट्रो स्टेशन पर पियर आर्म कास्टिंग का कार्य भी 71 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Nai duniya	Indore	30.06.2023	04	मेट्रो वाय डक्ट पर 70 प्रतिशत पटरियां बिछाई	Neutral

मेट्रो वाय डक्ट पर 70 प्रतिशत पटरियां बिछाईं

शहर में मेट्रो ट्रेन दौड़ाने की तैयारी तेज रफ्तार से चल रही है। मेट्रो के जिस हिस्से पर सितंबर तक ट्रायल रन होना है, वहां के वाय डक्ट के हिस्से पर प्रबंधन द्वारा रेल पटरी बिछाने का काम 70 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। हालांकि अब काम कुछ धीमा चलेगा, क्योंकि वर्षा शुरू होने के कारण पटरियों के वेल्डिंग सहित अन्य कार्य नहीं हो पाएंगे। मेट्रो प्रबंधन के मुताबिक गांधी नगर डिपो में 920 मीटर का ट्रायल ट्रैक पूर्णरूप से बनकर तैयार हो गया है। वहीं सुपर कारिडोर के 5.9 किलोमीटर हिस्से में रेल पटरियां बिछाने का काम भी 30 फीसद ही बाकी है। ऐसे में अगले दो माह में यह कार्य आसानी से पूरा किया जाएगा।

शहर में मेट्रो का काम तेजी से जारी है। घने बादलों के बीच नजर आता मेट्रो ट्रैक। नईदुनिया

पांच स्टेशन के फाउंडेशन का कार्य भी हुआ : मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक सितंबर तक गांधी नगर से सुपर कारिडोर के बीच पांच मेट्रो स्टेशन तैयार होने हैं। ऐसे में अभी पांचों स्टेशन के लिए फाउंडेशन निर्माण व फुटिंग का कार्य पूर्ण हुआ है। इसके अलावा स्टेशन पर प्रवेश व जाने के मार्ग को भी तैयार किया जा चुका है। इसलिए अब फाउंडेशन के ऊपरी हिस्से में निर्माण कार्य करने में वर्षा बाधा नहीं बनेगी।

गौरतलब है कि मेट्रो के प्रत्येक स्टेशन दो से तीन प्रवेश द्वार बनाए जाना प्रस्तावित है। गांधी नगर से सुपर कारिडोर तक बनने वाले पांच मेट्रो स्टेशन में से सबसे पहले गांधी नगर का मेट्रो स्टेशन तैयार होगा। उसके बाद अन्य जगह काम होगा।